HNC - 1 भाषाविज्ञान (Linguistics) (5 credits)

	Credit	Lect.	Marks
1. भाषाविज्ञान:	1	15	20

i) भाषा : आधारणा, स्वरुप एवं अभिलक्षण।

ii) भाषा और समाज (सम्प्रेषण व्यवस्था के सन्दर्भ में)

iii) भाषा और बोली : पारस्परिक संबंध।

iv) भाषाविज्ञान : अवधारणा एवं स्वरूप

v) भारत में भाषा चिंतन

vi) भाषाविज्ञान की पाश्चात्य परंपरा ।

Vii) भाषाविज्ञान के अंग।

viii) भाषाविज्ञान की शाखाएं।

2. ध्वनिविज्ञान :	1	15	20

i) ध्वनिविज्ञान : स्वरूप एवं आधार।

ii) ध्वनियों का वर्गीकरण।

iii) ध्वनिगुण मात्रा, स्वर, आघात, वृत्ति।

iv) ध्वनि परिवर्तन कारण एवं दिशाएं।

v) स्वनिम विज्ञान : अवधारणा, स्वरूप एवं भेद।

vi) स्वनिम सिध्दान्त।

3. रूप शब्द और पद :	1	15	20

i) रूप की संकल्पना ।

ii) रूपिम :परिभाषा, भेद एवं प्रक्रिया ।

iii) अर्थतत्व और सम्बन्ध तत्व।

iv) रूप स्वनिम : परिभाषा, प्रक्रिया, परिवर्त्यरूप।

v) रूप परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं।

4. . वाक्य संरचना	½	7	10

i) वाक्य :अवधारणा एवं स्वरूप।

ii) वाक्य के भेद।

iii) वाक्य विश्लेषण : १. निकटस्थ - अवयव, गहन एवं वाह्य संरचना।

5. अर्थ संरचना : ½ 8 10

i) अर्थ की प्रकृति ।

ii) शब्द और अर्थ का संबंध ।

iii) अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन।

iv) अर्थ परिवर्तन : कारण एवं दिशाएं।

6. प्रोक्ति विज्ञान 1 15 20

i) . **प्रोक्ति विज्ञान: अवधारणा : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व**

ii) **प्रोक्ति का इतिहास**

iii) **प्रोक्ति के प्रकार**

iv) **प्रोक्ति की विशेषताएं**

संदर्भ ग्रंथ:

१. कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय : आधुनिक भाषाविज्ञान
२. किशोरीदास वाजपेयी : हिन्दी निरूक्त
३. किशोरीलाल वाजपेयी : हिन्दी शब्दानुशासन
४. तिलक सिंह : नवीन भाषाविज्ञान
५. देवेन्द्रनाथ शर्मा : भाषाविज्ञान की भूमिका
६. नगेन्द्र (प्रधान सम्पादक) रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव (सम्पादक) : भाषाशास्त्र के सूत्रधार
७. नरेश मिश्र : भाषा और भाषाविज्ञान
८. ब्लूमफील्ड : भाषा (अनुवाद)
९. बाबूराम सक्सेना : सामान्य भाषा विज्ञान
१०. भोलानाथ तिवारी : भाषाविज्ञान कोश
११. भोलानाथ : भाषाविज्ञान
१२. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : साहित्य का भाषिक चिन्तन
१३. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव : भाषाविज्ञान : सैध दान्तिक चिन्तन
१४. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, बीना श्रीवास्तव, महेन्द्द दिलीप सिंह : हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र
१५. राजलम बोरा : भाषाविज्ञान (स्वरूप, सिध दान्त और अनुप्रयोग)
१६. रामकिशोर शर्मा : आधुनिक भाषाविज्ञान के सिध दान्त
१७. लायनज जॉन : सैध दान्तिक भाषाविज्ञान की भूमिका

HNC 02 - **Medieval Poetry : Practical Criticism**

मध्ययुगीन काव्य : व्यावहारिक समीक्षा - (5 credits)

भक्ति और रीतिकव्य के आधार पर व्यावहारिक समीक्षा का अध्ययन इस पाठयक्रम का प्रमुख प्रयोजन है।

	credits	Lect.	Marks
1. काव्य की व्यावहारिक समीक्षा।	½	7	10

i) काव्यांश का पाठ, शब्द सरलार्थ एवं अर्थबोध।

ii) कवि का संवेदनात्मक उद्देश्य।

iii) सामाजिक सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक, दार्शनिक, मनोविश्लेषणात्मक तथा सौन्दर्यशास्त्रीय संदर्भ।

iv) भाषिक-संरचना।

v) शब्द रुप, शक्ति एवं गुण।

vi) अलंकार योजना, रस, ध्वनि, आधार बिम्ब और प्रतीक प्रयोग।

vii) विविध काव्य प्रतिमानों का प्रयोग।

viii) कवि का अन्य रचनाकरों की रचनाओं से तुलना।

2 .निर्गुण कवि : कबीर एवं जायसी।	1	15	20

i) जीवन परिचय एवं साहित्य।

ii) काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौन्दर्य।

iii) शिल्प सौन्दर्य।

iv) निर्धारित पाठ्यपुस्तक - कबीर - हजारी प्रसाद व्दिवेदी
पदसंख्या :

1,2,5,12,20,39,41,77,92,109,118,130,134,137,141,162,224,247

v) निर्धारित पाठ्यपुस्तक - जायसी ग्रन्थावली - संपादक - आचार्य रामचंन्द्र शुक्ल।
'' नागमती -वियोग खण्ड ''।

3. सगुण कवि : गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास **एवं मीरांबाई** ।	2½	38	50

i) जीवन परिचय एवं साहित्य।

ii) काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौन्दर्य।

iii) शिल्प सौन्दर्य।

iv) निर्धारित पाठ्यपुस्तक - रामचरितमानस - (गोस्वामी तुलसीदास)

अयोध्याकाण्ड - ''वनपथ में राम'' - दोहा क्रमांक 109 से 124 तक, उत्तरकाण्ड - ''ज्ञानदीपिका''

v) निर्धारित पाठ्यपुस्तक - भ्रमरगीत-सार - आचार्य रामचंन्द्र शुक्ल

पदसंख्या :- 42, 64, 85, 97,130, 136, 178, 181, 210, 278? 289, 296, 346, 351, 375,

389, 400

Vi) निर्धारित पाठ्यपुस्तक - पदावली

पद 1. मैं तो सांवरे के रंग राची । 2. सखी मेरी नींद नसानी हो। 3. तनक हरि चितवौ जी मोरी और 4. हरि मेरे जीवन प्राण अधार 5. बादल देख डरी हो स्याम 6. सुण लीजो बिनती मोरी 7. ज्या संग मेरा न्याहा लगाया । 8. हरि तुम कायकू प्रीत लगाई । 9. तुम बिन मेरी कौन खबर ले । 10. हरि गुन गावत नाचूंगी ।

4. रीति सिध द एवं रीति मुक्त कवि - बिहारी एवं घनानंद 1 15 20

i) जीवन परिचय एवं साहित्य।

ii) काव्य की श्रृंगारिकता।

iii) भक्ति एवं नीतिगत विचार।

iv) भाषिक सौन्दर्य।

v) निर्धारित पाठ्यपुस्तक - बिहारी रत्नाकर - (सं) जगन्नाथदास रत्नाकर

दोहा संख्या - 1, 2, 13, 16, 25, 32, 34, 35, 38, 39, 41, 60, 73, 85, 94, 160, 188, 225, 256, 300, 317, 345, 347, 362, 406, 437, 472, 526, 610, 646, 680, 713.

vi) . निर्धारित पाठ्यपुस्तक - घनानंद :घनानंद कवित्त (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

कवित्त संख्या - 2, 4, 12, 13, 15, 17, 24, 40, 78, 82, 87, 112, 128, 140, 193, 206, 257, 278, 317, 383, 444.

संदर्भ-सूची :

कबीर	-विजेन्द्र स्नातक
कबीर एक नई दृटि	- रघुवंश
कबीर :एक मूल्याकन	-वासुदेव सिंह
अकथ कहानी प्रेम की, कबीर की कविता और उनका समय	-पुरुषोत्तम अग्रवाल
जायसी	-रामपूजन तिवारी
जायसी	-विजयदेव नारायण साही
कबीर और जायसी	-शिवमूर्ति शर्मा
तुलसीदास	-आचार्य रामचंन्द्र शुक्ल
लोकवादी तुलसीदास	- विश्वनाथ त्रिपाठी
तुलसी के हिय हेरि	- विष्णुकांत शात्री
तुलद्सीदास	-माताप्रसाद गुप्त
तुलसीदास : वस्तु एवं शिल्प	- आनंदप्रकाश दीक्षित
गोस्वामी तुलसीदास की जीवनगाथा	-योगेन्द्रप्रताप सिंह
तुलसीदास काव्य मीमांसा	-उदयभानु सिंह
सूरदास	-आचार्य रामचंन्द्र शुक्ल, हरवंशलाल शर्मा, धीरेन्द्र वर्मा एवं विष्णु प्रभाकर
भक्ति आंदोलन और सूरदास	-मैनेजर पाण्डेय

बिहारी	-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
बिहारी :एक मूल्यांकन	- बच्चन सिंह
बिहारी	- ओमप्रकाश
बिहारी	- रामदेव शुक्ल
घनानंद कवित्त	- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
घनानंद	-रामदेव शुक्ल

H.N.C - 03 Modern Poetry : Practical Criticism
आधुनिक काव्य : व्यावहारिक समीक्षा (5 credits)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों की कविताओं की व्यावहारिक समीक्षा निम्नलिखित बिन्दुयों के अंतर्गत करना अपेक्षित है।

	credits	Lect.	Marks
क. काव्य की व्यावहारिक समीक्षा।	1/2	07	10

१. - काव्यांश का पाठ, शब्द सरलार्थ एवं अर्थबोध।
२. - कवि का संवेदनात्मक उद्देश्य एवं काव्य- प्रवृतियां।
३. सामाजिक सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक, दार्शनिक, मनोविश्लेषणात्मक तथा सौन्दर्यशास्त्रीय संदर्भ।
४. भाषिक - संरचना।
५. शब्द रूप, शक्ति एवं गुण।
६. अलंकार योजना, रस ध्वनि, आधार बिम्ब और प्रतीक प्रयोग।
विविध काव्य प्रतिमानों का प्रयोग।
कवि का अन्य रचनाकरों की रचना में तुलना।

ख. निर्धारित कवियों के संबंध में अधोलिखित अध्ययन भी अपेक्षित है।
१. जीवन परिचय एवं साहित्य।
२. काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौन्दर्य।
३. शिल्प सौन्दर्य।

ग. निर्धारित कवि	2	30	40

१. मैथिलीशरण गुप्त - 'साकेत ' का नवम सर्ग।
२. जयशंकर प्रसाद -'कामायनी' चिंता, श्रध्दा, इडा और आंनद सर्ग।
३. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
कविताएं - रंग गई पग - पग धन्य धरा (प्रिय) यामिनी जागी, जोगो फिर एक बार, बादल - राग: १, बादल - राग - ६, जागो फिर एक बार - २, कौन तम के पार ? (रे कह) , वर दे, वीणावादिनी वर दे, भारति, जय, विजयकरे, सरोज - स्मृति, राम की शक्ति - पूजा वन- बेला, तोडती पत्थर, स्नेह निर्भर बह गया है, गहन है वह अन्ध कर, दलित जन पर करो करूणा, कुकुर्मुक्ता, बांधो न नाव इस ठांव बंधु, भजन कर हरि के चरण, मन।

घ.	11/2	23	30

४. रामधारी सिंह ' दिनकर ' - उर्वशी महाकाव्य तृतीया - सर्ग

५. **हरिवंशराय बच्चन** 1जो बीत गई सो बात गयी **2. इस पार - उस पार** 1/2 07 10

७. गजानन माधव 'मुक्तिबोध ' – चांद का मुंह टेढा है।

चुई हुई कविताएं – भूल गलती, ब्रम्हाराक्षस, औरंग – उटांग, एक अंतर्कथा, मुक्षे कदम – कदम पर, अंधेरे में।

६. केदारनाथ अग्रवाल 1. लिपट गयी जो धूल 2. पूंजीवादी व्यवस्था के प्रति केदारनाथ जी के उद्धार 3. प्रकृति चित्र 4. जो जीवन की धूल चाट कर बडा हुआ हैं । 1/2 08 10

संदर्भ–सूची –

१–आधुनिक हिंदी काव्य प्रवृत्तियां –नगेन्द्र
२– छायावादी काव्य प्रवृत्तियां – नामवर सिंह
३– नये कविता के प्रतिमान –नामवर सिंह
४–कामायनी एक पुन मूल्यांकन –मुक्तिबोध
५– निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
५– उर्वशी कामुकी चिंतन –अरविंद पाण्डेय
६– कल्पना का उर्वशी विवाद –गोपेश्वर सिंह
७–साकेत एक अध ययन –नगेन्द्र
८–कामायनी एक सह चिंचन – वचनदेव कुमार

HNC 04 - Hindi Novel - हिन्दी उपन्यास (5 Credits)

प्रस्तुत उपन्यासों का समीक्षात्मक अध ययन अपेक्षित है।		credits	Lect.	Marks
१. गोदान	- प्रेमचंद	01	15	20
२. बाणभट्ट की आत्मकथा	- आचार्य हजारी प्रसाद दिवेदी	01	15	20
३. मैला आंचल	- फणीश्वर नाथ 'रेणु'	1/2	07	10
४. राग दरबारी	- श्रीलाल शुक्ल	1/2	08	10
५. गिलिगडु	- चित्रा मुदगल	1/2	07	10
६. सुखा बरगद	- मंजूर एहतेशाम	1/2	08	10
७. ग्लोबल गांव के देवता	**- रणेद्र**	1	15	20

संदर्भग्रंथ सूची :

१. गोपाल राय : हिन्दी उपन्यास का इतिहास
२. रामदरश मिश्र : हिन्दी उपन्यास एक अन्तर्या
३. इन्द्रनाथ मदान : आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास
४. वेदप्रकाश अमिताभ : हिन्दी उपन्यास की दिशाएं
५. रामलखन शुक्ल : हिन्दी उपन्यास कला
६. चंद्रप्रकाश मिश्र : रागदरबारी कृति से साक्षात्कार
७. दंगल झाल्टे : उपन्यास समीक्षा ने नए प्रतिमान
८. आदर्श सक्सेना : हिन्दी के आचंलिक उपन्यास और उनकी शिल्पबिधि
९. चन्द्रभानु सोनवणे : हिन्दी उपन्यास विविध आयाम
१०. उषा यादव : हिन्दी की महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना

HNC - 05- **Study of special - Author - Ajneya**

रचनाकार का विशेष अध्ययन - अज्ञेय (5credits)

	credits	Lect.	Marks
अज्ञेय विशेष रचनाकार का अध्ययन सच्चिदानंद हीरानंद कात्स्यायन 'अज्ञेय'			
क. जीवन - वृत एवं परिचय।	1/2	08	10
१. व्यक्तित्व एवं परिवेश।			
२. अज्ञेय का रचना संसार।			
३. व्यष्टि चेतना।			
४. प्रयोगवाद एवं आज्ञेय।			
ख. अज्ञेय काव्य की विकास यात्रा	1/2	07	10
१. उत्तर छायावादी काव्य और अज्ञेय।			
२. अज्ञेय की काव्य दृष्टि।			
३. अज्ञेय का शिल्प विधान।			
.			
ग. अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएं एवं जीवन परिचय - संपादक विद्यानिवास मिश्र कविताएं।			
१. एक सन्नाटा बुनता हूं, आज थका हिय हारिल मेरी, बावरा अहेरी, सम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, सागर-मुद्रा. दाता और भिखारी, जो कहा नहीं गया, सोन - मछली,, नदी के द्वीप, आंगन के पार, कितनी नावों में कितनी बार।			
घ. लंबी कविता - असाध्य वीणा।	1	15	20
च. कथा सहित्य।	1	15	20
१. शेखर एक जीवनी भाग - १			
२. चुनी हुई पांच कहानियाँ - रोज, जयदोल, शरणार्थी, विपथमा, मुस्लिम-मुस्लिम भाई - भाई।			
छ. अन्य विधाएं	1	15	20
१. आत्मने - पढ के पाच प्रमुख निबंध।			
२. अरे यायावर रहेगा याढ।			
३. अज्ञेय की पत्रकारिता।			

ज. समकालिनों की नजर में अज्ञेय

१. अशोक वाजपेयी

२. ओम थान्वी

३. कृष्णदत्त पालीवाल 1 15 20

संदर्भ सूची:

१- अज्ञेय -विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

२-अज्ञेय -कृष्णदत्त पालिवाल

३- अज्ञेय एक अध्ययन -भोलाभाई पटेल

४- अज्ञेय और उनका उपन्यास संसार - ब्रह्मदेव मिश्र

५- अज्ञेय जीवन -दर्शन एवं साहित्य -रेनु श्रीवास्तव

६- अज्ञेय की काव्ययात्रा -राजेन्द्र मिश्र

७- अज्ञेय रचनावली भाग-१,२,३,४,५

HNC - 06 (Critics & Criticism)

आलोचक और आलोचना (5 credits)

	credits	Lect.	Marks
हिंदी आलोचना का विकास :	1½	22	30
१.१ भारतेन्दु युगीन आलोचना : स्वरूप एवं विशेषताएं (गद्य की विधाओं का विकास)			
१.२ महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण (युगांतरकारी भूमिका और 'सरस्वती ' पत्रिका)			
१.३ द्विवेदी युगीन आलोचक : मिश्र बन्धु एवं अन्य			
१.४ रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना (इतिहासपरक और वैज्ञानिक आलोचना)			
१.५ छायावादी कवियों के आलोचनात्मक प्रयत्न			
२. शुक्लोत्तर समीक्षा के प्रमुख आयाम :	1	15	20
२.१ हिन्दी आलोचना पर संस्कृत काव्यशास्त्र का प्रभाव			
२.२ हिन्दी आलोचना पर पाश्चात्य काव्यशात्र का प्रभाव			
२.३ नदंदुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना			
२.४ हजारी प्रसाद द्विवेदी : मानवतावादी और सांस्कृतिक दृष्टि			
३. आलोचक और आलोचना विशेष अध्ययन :	1	15	20
३.१ प्रगतिशील आंदोलन और मार्क्सवादी आलोचना			
३.२ रामविलास शर्मा : प्रगतिशील आलोचना के प्रतिमान और प्रदेय			
३.३ मनोवैज्ञानिक समीक्षा – पद्धति : साहित्य और समीक्षा।			
३.४ मुक्तिबोध की समीक्षा – पद्धति : वस्तू और शिल्प, रचना प्रक्रिया, कला के तीन क्षण			
३.५ नामवर सिंह की आलोचना पद्धति और नयी समीक्षा।			
४. अन्यान्य विधाएं :	½	08	10
४.१ कथा समीक्षा के प्रतिमान			
४.२ नाट्य समीक्षा के प्रतिमान			
५. **मिश्र बंधु**	1	15	20
६. विजय देव नारायण साही			

संदर्भ सूची

१. नंदकिशोर नवल	हिन्दी आलोचना का विलास	राजकमल प्रकाशन
२. विश्वनाथ त्रिपाठी	हिन्दी आलोचना	राजकमल प्रकाशन

३. रतन कुमार पाण्डेय	साहित्य संस्कृति और सौन्दर्य	विश्वविद्यालय प्रकाशन
४. कमलाप्रसाद	आलोचक और आलोचना	आधार प्रकाशन
७. रेखा अवस्थी	प्रगतिवाद और समान्तर साहित्य	
६. बच्चन सिंह	आलोचक और आलोचना	राजकमल प्रकाशन
७. शशिभूषण शीतांशु पाण्डेय	मार्क्सवादी समाजशास्त्रीय आलोचना	राजकमल प्रकाशन
८. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल	हिंदी आलोचना के आधार स्तम्भ	
९. रोहिताश्व	मार्क्सवादी सौन्द्रर्यशास्त्र के प्रतिमान	अकादमिक प्रतिमा
१०. रोहिताश्व	आलोचना का परिपेक्ष्य	विद्या प्रकाशन
११. रोहिताश्व	समकालीनता और शाश्वत्तता	

HNC - 07 Drama & Theatre

(नाटक एवं रंगमंच) 5 credits

हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं में नाटक एवं रगंमंच एक महत्वपूर्ण विद्या है। इस संदर्भ में नाटक एंव रंगमंच के स्वरूप एवं विकास के साथ - साथ कतिपय नाटकों का अध्ययन अपेक्षित है।

	credits	Lect.	Marks
१. नाटक एवं रंगमंच : स्वरूप परंपरा एवं विकास।	1½	23	30
क. संस्कृत नाट्य परंपरा।			
ख. मध्य युगीन लोकनाट्य परंपरा।			
ग. आधुनिक हिंदी नाट्क एवं रंगमंच।			
घ. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक एवं रंगमंच।			
च. हिन्दी मराठी एवं बंगला नाटक पारस्परिक संबंध।			
२. विशेष अध्ययन हेतु निर्धारित नाटक।	½	7	10
क. अंधेरी नगरी - भारतेंदु हरिश्चंद्र	½	8	10
ख. ध्रुवस्वाामिनी - जयशंकर प्रसाद	½	7	10
ग. अंधायुग - धर्मवीर भारती	½	8	10
घ. आधे अधूरे - मोहन राकेश	½	7	10
च. बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	½	8	10
छ. कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक			
ज. जिन लाहौर नहीं देख्या वो जम्यां नही - असगर वजाहत	½	7	10

संदर्भ सूची

डाँ अज्ञात - भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास
डॉ गोविन्द चातक - आधुनिक नाटक का मसीहा मोहन राकेश
डॉ गिरीश रस्तोगी - हिन्दी नाटक - सिध्दान्त और विवेचन
डॉ. दशरथ ओझा - नाट्य समीक्षा २. हिन्दी नाटक - उदभव और विकास
डाँ . माहेश्वर - हिन्दी बंगला नाटक
श्याम परमार - लोकधर्मी नाट्य परम्परा
जयदेव तनेजा - समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि
माधव सोनटक्के - आधुनिक हिन्दी - मराठी नाटक

HNC- 08 - Contemporary Hindi Poetry : Practical Criticism

समकालीन हिंदी कविता : व्यावहारिक समीक्षा (5 credits)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत अधोलिखित विषयों और कवियों का अध्ययन अपेक्षित है।

	credits	Lect.	Marks	
क. समकालीन कविता	1½	22	30	
१. अवधारणा, स्वरूप एवं प्रवृतियां।				
२. नई कविता एवं समकालीन कविता।				
३. विविध काव्यान्दोलन।				
ख. निर्धारित कवि :	½	08	10	
१. नागार्जुन - प्रतिनिधि कविताएं (सं) नामवर सिंह				
कविताएं - प्रतिबध्द हूं, अकाल और उसके बाद, सिंदूर तिलकित भाल, मंत्र, तन गई रीढ यह , तुम थी, बादल को धिरते देखा है, प्रेत का बयान, मास्टर, शासन की बंदूक।				
२. शमशेर बहादुर सिंह - प्रतिनिधि कविताएं - (सं) नामवर सिंह	½	07	10	
कविताएं - निराला के प्रति, चुका भी हूं मैं नही, बात बोलेगी, सागर - तट, छिप गया वह मुख, अमन का राग, टूटी हुई, बिखरी हुई, न पलटना उधर, काल, तुझसे होड है मेरी।				
३. सर्वेशवर दयाल सक्सेना - खूटियों पर टंगे लोग - काव्य संग्रह	½	07	10	
कतिताएं - जंगल की याद मुझे मत दिलाओ, शब्दों का ठेला, जूला- १.२.३.४ पोस्टमार्टम की रिपोर्ट, उंगलियों में चुभे कांटे, तानाशाही से लडती एक कवियत्री, प्रौढ शिक्षा-१,२, जरूरत है एक सरकारी जासूस की, मैं हर सीने का हर पत्थर हटाऊ, देशगान, एक छोटी-सी मुलाकात, अब मैं सूरज को नही डूबने दूंगा।				
४. धूमिल - संसद से सडक तक (कविता संग्रह)	½	08	10	
कविताएं - बीस साल बाद, मोचीराम, शहर में सूर्यास्त, प्रौढ शिक्षा, शहर का व्याकरण, मुनासिब कार्रवाई, भाषा की रात, पटकथा।				
५. दुष्यंत कुमार - साये में धूप (गजल संग्रह)	½	07	10	
गजलें - कहाँ तो तय था चिरागॉ, ये सारा जिस्म, अपहिज व्यथा को, इस नदी की धार, भूख है तो सब कर, नजर - नवाज - नजारा, मत कहो आकाश में, मेरे गीत तुम्हारे पास, पक				

नई हैं पीर, आदतें, अब किसी को नजर आता नहीं, तुम्हारे पांव के नीचे।

६. राजेश जोशी – धूप घडी (काव्य संग्रह) ½ 08 10

कविताएं – लेबर कॉलोनी के बच्चे, मुनीर मियां और मौसम, बच्चा पांव ले रहा है, प्याज एक संरचना है, पत्ता तुलशी का, झींगुर, सुख, माँ की याद, यह धर्म के विरूध द है कलाओं का अंतर्सम्बंध, कुछ दिनों बाद।

७. अनामिका – कविताएं –स्त्रिया, कूडा बीनते बच्चे, दरवाजा, सृष्टि

½ 08 10

संदर्भ सूची

१. विश्वम्भर नाथ उपाध याय : समकालीन कविता की भूमिका
२. परमानंद श्रीवास्तव : काव्य और यथार्थ
३. नामवर सिंह : कविता के नये प्रतिमान
४. केदारनाथ सिंह : आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान
५. बच्चन सिंह : आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द
६. मुक्तिबोध : नयी कविता का आत्म संघर्ष तथा अन्य निबन्ध
७. रोहिताश्व : नयी कविता : सम्प्रेषण की समस्या
८. रोहिताश्व : समकालीन कविता : मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र
९. रोहिताश्व : काव्यसूजन और शिल्प विधान
१०. नरेन्द्र मोहन : लम्बी कविताओं का रचना विधान

HNO-01 History of Hindi Literature : Aadikal, Bhaktikal evam Ritikal

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल) (4 credits)

	Credits	Lect.	Marks
	1	15	25

क॰ हिंदी साहित्य के इतिहास की भूमिका :

1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास
2. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन के स्रोत
3. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
4. काल विभाजन एवं नामकरण

ख॰ आदिकाल :	1	15	25

1. अपभ्रंश और हिंदी साहित्य
2. नाथ, सिद्ध और जैन साहित्य
3. रासो काव्य की परंपरा और उसकी साहित्यिकता
4. विद्यापति और उनकी पदावली

ग॰ भक्तिकाल :	1 ½	22	38

1. भक्ति आंदोलन एवं सांस्कृतिक चेतना
2. निर्गुण ज्ञानमार्गी संत काव्यधारा
3. निर्गुण प्रेममार्गी सूफ़ी काव्यधारा
4. निर्गुण भक्तिकाव्य : सामाजिक विद्रोह और भावात्मक एकता
5. कृष्ण-भक्ति काव्य
6. राम-भक्ति काव्य
7. राम कृष्ण काव्येतर रचनाएँ

घ॰ रीतिकाल: 2 8 12

1. रीतिकाल का उद्‌भव एवं विकास
2. दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य
3. रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ

संदर्भ ग्रंथ- सूची

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हज़ारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
   : हिंदी साहित्य का आदिकाल
3. नगेंद्र (सं॰) : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. बच्चन सिंह : हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
5. वेंकट रमण राव : रीतिकालीन काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
6. सुमन राजे : साहित्येतिहास दर्शन : संरचना और स्वरूप
7. सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
8. वासुदेव सिंह : हिंदी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास- खंड 1 और खंड 2
9. गणपतिचंद्र गुप्त : हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
10. रामसजन पांडे : हिंदी साहित्य का इतिहास

HN0-02 Hindi Story

हिंदी कहानी (4 credits)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी कहानी का समीक्षात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

	Credits	lect.	Marks
1. चंद्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था	1	15	25
2. प्रेमचंद - कफ़न			
3. भगवतीचरण वर्मा - दो बाँके			
4. फणीश्वर नाथ रेणु - तीसरी क़सम			
5. यशपाल - परदा	1	15	25
6. रांगेय राघव - गदल			
7. कमलेश्वर - राजा निरबंसिया			
8. मार्कंडेय - हंसा जाई अकेला			
9. ज्ञानरंजन - घंटा	1	15	25
10. कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया			
11. नासिरा शर्मा - संगसार			
12. उदय प्रकाश - पालगोमरा का स्कूटर			
13. शिवमूर्ति - कसाईबाड़ा	1	15	25
14. ओमप्रकाश वाल्मीकि - प्रमोशन			
15. जयप्रकाश कर्दम - नो बार			

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. गोपाल राय - हिंदी कहानी का इतिहास भाग-1
2. गोपाल राय - हिंदी कहानी का इतिहास भाग-2
3. डॉ॰ नेमिचंद्र जैन - हिंदी कहानियाँ
4. मोहनलाल जिज्ञासु - कहानी और कहानीकार
5. सावित्री चंद्र शोभा - हिंदी कहानी: एक मूल्यांकन
6. डॉ॰ सुरेश धीगड़ा - हिंदी कहानी: दो दशक
7. डॉ॰ सुरेश सिन्हा - हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास

HNO 03 Indian Poetics (4 credits)

भारतीय काव्यशास्त्र (4 credits)

	Credits	lect.	Marks
1. **काव्य का स्वरूप** i) काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप ii) काव्य के लक्षण : संस्कृत - अँग्रेज़ी - हिंदी iii) काव्य हेतु एवं प्रयोजन	1	15	25
2. **काव्य के विविध रूप** i) काव्य के तत्त्व एवं रूप ii) शब्द शक्तियाँ iii) काव्य - सर्जन प्रक्रिया	1	15	25
3. **काव्यालोचना के मानदंड (भारतीय)** i) रस सिद्धांत : स्वरूप, निष्पत्ति, साधारणीकरण ii) अलंकार सिद्धांत : स्वरूप, वर्गीकरण, काव्य में स्थान iii) रीति सिद्धांत : रीति और गुण, लक्षण तथा भेद iv) ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप, वर्गीकरण, काव्य में स्थान v) वक्रोक्ति सिद्धांत : स्वरूप और भेद vi) औचित्य सिद्धांत : अवधारणा एवं स्वरूप	2	30	50

संदर्भ ग्रंथ सूची -

1) नगेंद्र : काव्यशास्त्र की भूमिका

2) बच्चन सिंह : आलोचक और आलोचना

3) गणेश त्र्यंबक देशपांडे : साहित्यशास्त्र

4) विश्वंभरनाथ उपाध्याय : भारतीय काव्यशास्त्र का अध्ययन

5) भगीरथ दीक्षित : समीक्षालोक

6) गणपतिचंद्र गुप्त : साहित्य विज्ञान

7) रेने बैलेक : साहित्य सिद्धांत

8) भारतीय काव्यशास्त्र : तारकानाथ बाली

9) भारतीय काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र

HNO 05- History of Hindi Literature : Aadhunik Kal

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल (4 credits)

	Credits	Lect.	Marks
क॰ आधुनिक हिंदी साहित्य :	1	15	25

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि (1757 – 1857)
2. भारतेंदु युग (गद्य का विकास, विषय वस्तु, सामाजिक चेतना, पत्रकारिता, काव्य प्रवृत्तियाँ)
3. द्विवेदी युग (नवजागरण, भाषा परिष्कार, पत्रकारिता, विषय वस्तु)
4. छायावाद
5. राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा ।

ख॰ छायावादोत्तर काव्य का संक्षिप्त परिचय	1	15	25

1. प्रगतिवाद
2. प्रयोगवाद
3. नई कविता
4. समकालीन कविता
5. सन् 75 के बाद की कविता

ग॰ हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं का स्वरूप एवं विकास	1½	22	38

1. नाटक एवं एकांकी
2. कहानी
3. उपन्यास
4. निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

घ॰ दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय	1½	8	12

संदर्भ ग्रंथ सूची

1) रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास

2) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
: हिंदी साहित्य का आदिकाल

3) डॉ॰ कृष्णलाल : आधुनिक हिंदी साहित्य का विकास

4) डॉ॰ लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय : आधुनिक हिंदी साहित्य

5) नगेंद्र (सं) : हिंदी साहित्य का इतिहास

6) डॉ॰ रामविलास शर्मा : भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ

7) सुमित्रानंदन पंत : छायावाद : पुनर्मूल्यांकन

8) नगेंद्र (सं) : हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (दशम भाग)

9) प्रो॰ नामवर सिंह : छायावाद

10) बच्चन सिंह : हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास

HNO 06 Functional Hindi

प्रयोजनमूलक हिंदी (4 Credits)

	Credits	Lect.	Marks
	1	15	25

1. प्रयोजनमूलक हिंदी

1. स्वरूप एवं व्यवहार क्षेत्र

2. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

i) मुस्लिम शासन काल

ii) ब्रिटिश शासन काल

3. हिंदी के विभिन्न रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा)

2. राजभाषा 1 15 25

1. स्वरूप एवं आवश्यकता

2. संवैधानिक प्रावधान (संविधान की आठवीं अनुसूची)

संविधान में राजभाषा संबंधी अनुच्छेद

i) अनुच्छेद 343-344 (संघ की राजभाषा एवं संसद का आयोग एवं समिति)

ii) अनुच्छेद 345-347 (राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ)

iii) अनुच्छेद 348 (न्यायालय से संबंधित भाषा)

iv) अनुच्छेद 349-350 (भाषा संबंधी कुछ अधिनियम विशेष प्रक्रिया)

v) अनुच्छेद 351 (हिंदी का प्रचार प्रसार)

vi) राष्ट्रपति के निर्देश (1952, 1955, 1960)

vii) राजभाषा आयोग

viii) संसदीय समिति

ix) राजभाषा की समस्याएँ

3. राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य - कार्यालयी हिंदी	1	15	25

1. प्रारूपण

2. पत्र लेखन

3. टिप्पण

4. संक्षेपण

5. पल्लवन

4. पारिभाषिक शब्दावली - निर्माण	1	7	12

1. स्वरूप एवं महत्त्व

2. सिद्धांत

3. प्रक्रिया

4. समस्याएँ

5. हिंदी कंप्यूटिंग 1 8 13

1. परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र

2. इंटरनेट, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल

3. ई-मेल - ई-मेल भेजना, ई-मेल प्राप्त करना

6. हिंदी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कृष्णकुमार गोस्वामी : प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी

2. अंबादास देशमुख : प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातम आयाम

3. सु. नागलक्ष्मी : प्रयोजनमूलक हिंदी (प्रासंगिकता एवं परिदृश्य)

4. शाहिद कमर : प्रयोजनमूलक हिंदी : दशा और दिशा

5. हरिबाबू कंसल : कार्यालय दीपिका

6. दंगल झाल्टे : प्रयोजनमूलक हिंदी - सिद्धांत और प्रयोग

7. विजयकुमार मल्होत्रा : राजभाषा के नए आयाम - प्रयोजनमूलक हिंदी

8. विनोद गोदरे : प्रयोजनमूलक हिंदी

9. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव : प्रयोजनमूलक हिंदी

10. मलिक मुहम्मद : राजभाषा हिंदी विकास के विभिन्न आयाम

11. नरेश मिश्र : प्रयोजनमूलक हिंदी

HNO 07 Western Poetics (4 credits)

पाश्चात्य काव्यशास्त्र (4 credits)

	Credits	lect.	Marks
	1	15	25
1. प्लेटो : काव्य सिद्धांत			
2. अरस्तू : अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत, त्रासदी			
3. लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा	1	15	25
4. कॉलरिज, वर्ड्सवर्थ, शेली : स्वच्छंदतावाद			
5. मैथ्यू आर्नल्ड : काव्य सिद्धांत	1/2	8	12
6. क्रोचे : अभिव्यंजनावाद			
7. आई॰ ए॰ रिचर्ड्स : मूल्य और संप्रेषण	1/2	22	38
8. टी॰ एस॰ इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत			
9. बिंब, प्रतीक एवं मिथकीय प्रयोग			

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. देवेंद्रनाथ शर्मा : पाश्चात्य काव्यशास्त्र
2. निर्मला कुसुम बाँठिया : पाश्चात्य साहित्य चिंतन
3. गणपतिचंद्र गुप्त : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत

4. डॉ॰ सभापति मिश्र : भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य चिंतन

5. तारकनाथ बाली : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

HNO- 09 Mass Media and Journalism

जनसंचार माध्यम एवं पत्रकारिता

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत अधोलिखित विषयों का अध्ययन अपेक्षित है।

1) मुद्रण माध्यम (हिंदी पत्रकारिता)	Credits	Lect.	Marks
	1 ½	20	25

खंड - क

1. पत्रकारिता : अवधारणा, स्वरूप एवं विकास
2. भारतेंदु युगीन पत्रकारिता
3. महावीरप्रसाद द्विवेदी युगीन पत्रकारिता
4. गांधी युगीन पत्रकारिता
5. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता
6. इक्कीसवीं सदी की पत्रकारिता

खंड - ख

1. समाचार पत्र : अवधारणा एवं स्वरूप	½	8	15
2. समाचार पत्र : प्रकाशन की प्रक्रिया			

2. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम आकाशवाणी (रेडियो)

1. परिचय, लेखन एवं महत्त्व	½	9	15
2. आज़ादी से पूर्व एवं पश्चात			
3. चलचित्र (सिनेमा)	½	8	15

1. स्वरूप, उद्भव एवं विकास

2. व्यावसायिक एवं कला फ़िल्म
3. लघु डॉक्युमेंटरी एवं कार्टून फ़िल्म

4. दूरदर्शन एवं अंतरराष्ट्रीय जाल (टेलीविज़न एवं इंटरनेट) ½ 7 15

1. परिचय, लेखन एवं महत्त्व

2. विकास मूलक, भूमंडलीकरण एवं व्यावसायिकता

5. विज्ञापन : स्वरूप, उद्‌भव एवं विकास ½ 8 15

1. चर्चा, परिचर्चा एवं साक्षात्कार

2. संगणक (कंप्यूटर), स्वरूप, परिचय, क्षेत्र एवं महत्त्व

3. मीडिया और समाज

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1 हिंदी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र
2 हिंदी पत्रकारिता:विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
3 समाचार संकलन और लेखन : नंदकिशोर खन्ना
4 स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी
5 पत्रकारिता के विविध रूप : रामचंद्र तिवारी
6 आधुनिक पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी
7 हिंदी सिनेमा का इतिहास : सविता चड्डा

HNO 10 – Translation

अनुवाद (4 Credits)

	Credits	Lect.	Marks
क॰ अनुवाद	½	07	12
१॰ परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र			
२॰ सिद्धांत एवं प्रक्रिया			
ख॰ अनुवाद की ईकाइयाँ	½	08	13
१॰ शब्द			
२॰ पदबंध			
३॰ वाक्य एवं पाठ			
ग॰ अनुवाद के भेद	½	07	12
१॰ शब्दानुवाद			
२॰ भावानुवाद			
३॰ छायानुवाद			
४॰ आशु अनुवाद			
घ॰ अनुवाद की समस्याएँ	1	15	25
१॰ कार्यालयी अनुवाद			
२॰ साहित्यिक अनुवाद (काव्य, कथा, नाटक एवं अन्य विधाएँ)			

३॰ विज्ञान, तकनीकी, कोश

४॰ मीडियागत अनुवाद

ङ॰ अनुवाद के साधन ½ 08 13

१॰ शब्दकोश

२॰ पारिभाषिक शब्दावली

३॰ साहित्य कोश

४॰ थिसॉरस एवं कंप्यूटर

च॰ अनुवाद - पुनरीक्षण, समीक्षा एवं मूल्यांकन 1 15 25

छ॰ अनुवाद - प्रासंगिकता, महत्त्व एवं सीमाएँ

ज॰ अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष : अँग्रेज़ी से हिंदी, कोंकणी से हिंदी एवं मराठी से हिंदी

संदर्भ सूची -

१॰ अनुवाद : सिद्धांत एवं स्वरूप 1. डॉ॰ मनोहर सराफ़

2. डॉ॰ शिवाकांत गोस्वामी

२॰ अनुवाद: सिद्धांत और समस्या डॉ॰ रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

	डॉ॰ कृष्णकुमार गोस्वामी
३॰ अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ	1. भोलानाथ तिवारी
	2. ओमप्रकाश गाबा
४॰ अनुवाद विज्ञान	1. भोलानाथ तिवारी
५॰ भारतीय भाषाओं से हिंदी अनुवाद की समस्याएँ	1. भोलानाथ तिवारी
	2. किरण बाला
६॰ प्रयोगिक अनुवाद विज्ञान	डॉ॰ मनोहर सराफ़
	डॉ॰ शिवाकांत गोस्वामी
७॰ आशु अनुवाद	डॉ॰ गरिमा श्रीवास्तव
८॰ अनुवाद और मीडिया : नई सदी में सिद्धांत स्वरूप	डॉ॰ कृष्णकुमार श्रीवास्तव
९॰ अनुवाद के विविध आयाम	डॉ॰ किशोरी

HNO 11 – Another form of Modern Prose

आधुनिक गद्य की अन्य विधाएँ (4 credits)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत गद्य के अन्य रूपों का समीक्षात्मक अध्ययन अपेक्षित है।

Credits	Lect.	Marks
1 1/2	22	37

क. निबंध

1) बालमुकुंद गुप्त - शिवशंभु के चिट्ठे
2) आचार्य रामचंद्र शुक्ल - उत्साह
3) आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी - अशोक के फूल
4) विद्यानिवास मिश्र - मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
5) रामवृक्ष बेनीपुरी - सरजू भैया
6) कुबेरनाथ राय - बहुरूपी
7) हरिशंकर परसाई - निंदा रस
8) शरद जोशी - ज़िंदगी को कुरेदती हुई कला
9) रवींद्र त्यागी - ग़रीब आदमी
10) मनोहर श्याम जोशी - सकल पदारथ या जग माही

ख. संस्मरण

1. ग़रबीली ग़रीबी - काशीनाथ सिंह

ग. यात्रावृत्त

1. ज्योतिपुंज हिमालय - विष्णु प्रभाकर

घ. जीवनी - भगवतशरण उपाध्याय - खगेंद्र ठाकुर

च. आत्मकथा - कस्तुरी कुंडल बसै - मैत्रेयी पुष्पा

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. राजरानी शर्मा : हिंदी का संस्मरण साहित्य

2. डॉ॰ खेलचंद्र आनंद : आधुनिक हिंदी गद्य

3. हरिशंकर दुबे : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग्य

4. बापूराव देसाई : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध एवं निबंध

HNO 12- Indian Literature

भारतीय साहित्य (4 credits)

Credits	Lect.	Marks
2	30	50

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप

2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

3. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक विशिष्टता

4. भारतीय साहित्य का समाजशास्त्र

5. भारतीय साहित्य : मूल्य चेतना

6. भारतीय साहित्य : काव्य विमर्श (हिंदी, कोंकणी, उर्दू भाषा साहित्य संदर्भ)

7. भारतीय साहित्य : उपन्यास विमर्श (हिंदी, मराठी, कन्नड़, बांग्ला, गुजराती) भाषा साहित्य के संदर्भ में

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें

1. कथा दर्पण - सं॰ इंस्टिट्यूट मिनेज़िस ब्रागांज़ा, पणजी (कोंकणी)

2. दीवान-ए-ग़ालिब - सं॰ अली सरदार जाफ़री (उर्दू)

3. मृत्युंजय - शिवाजी सावंत (मराठी)

4. मछुआरे - तकषी शिवशंकर पेल्ले (मलयालम)

5. संस्कार - यू॰ आर॰ अनंतमूर्ति (कन्नड़)

6. अग्निगर्भ - महाश्वेता देवी (बांग्ला)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. नगेंद्र : भारतीय साहित्य

2. इंद्रनाथ चौधरी : तुलनात्मक अध्ययन

3. निर्मल वर्मा : शताब्दी के ढलते वर्ष में

4. रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ

5. रामविलास शर्मा : भारतीय साहित्य की भूमिका

6. मीनाक्षी मुखर्जी : दी नॉवेल ऐंड सोसाइटी इन इंडिया

7. भालचंद्र नेमाडे : नेटिबज़्म

8. डॉ॰ आनंद पाटिल : तुलनात्मक साहित्य : स्वरूप और सिद्धांत

9. रोहिताश्व : भारतीय साहित्य के विविध आयाम

10. रोहिताश्व : भारतीय साहित्य का परिप्रेक्ष्य

HNO 13 Literature: Thought and Philosophy (4 credits)

साहित्य विचार एवं दर्शन (4 credits)

	Credits	lect.	Marks
साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	1	15	25

1. वेदांत दर्शन : स्वरूप, विकास एवं महत्त्व

2. बौद्ध एवं जैन दर्शन : स्वरूप, विकास एवं महत्त्व

3. मार्क्सवाद (द्वंद्वात्मक भौतिकवाद) अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व

4. अस्तित्ववाद : स्वरूप एवं महत्त्व

5. मनोविश्लेषणवाद सिद्धांत : स्वरूप एवं महत्त्व

6. गांधी दर्शन : स्वरूप एवं महत्त्व

7. समाजवादी दर्शन : स्वरूप एवं महत्त्व (डॉ॰ राम मनोहर लोहिया, डॉ॰ भीमराव आंबेडकर, श्री मधुलिमये आदि के संदर्भ में)

संदर्भ सूची

1. भारतीय दर्शन भाग 1 - डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

2. भारतीय दर्शन भाग 2 - डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

3. उपनिषदों का संदेश - डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

4. सत्य की खोज - डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

5. गौतम बुद्ध - जीवन दर्शन - डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

6. मेरा जीवन दर्शन - डॉ॰ कर्णसिंह

7. ईश्वर क्या है - जे॰ कृष्णमूर्ति

8. भारतीय संस्कृति - कुछ विचार - डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन

9. गांधी विचार, दर्शन और शास्त्र - राजकिशोर

HNO- 14 Hindi Language, Script & Grammar

हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण (4 Credits)

अ. **हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण**

प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास, देवनागरी लिपि एवं हिंदी व्याकरण का अध्ययन अपेक्षित है।

Credits	Lect.	Marks
1	15	25

क. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास

1. विश्व की भाषाएँ और भारतीय भाषा परिवार

2. भारोपीय परिवार : विशेषताएँ, वर्गीकरण

3. भारतीय आर्यभाषा : संक्षिप्त इतिहास

अ. प्राचीन भारतीय आर्यभाषा : वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत

ब. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा : पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश

क. आधुनिक भारतीय आर्यभाषा : हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ

ख. लिपि

1. देवनागरी लिपि : उद्‌भव एवं विकास

2. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता

3. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

व्याकरण 1 15 25

1. भाषा और व्याकरण

2. विकारी शब्द - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया - रूपांतरण

3. अविकारी शब्द - क्रिया विशेषण, संबंध सूचक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक

4. लिंग, वचन, कारक एवं विराम चिह्न

5. उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास

6. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु

2. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण : हरदेव बाहरी

3. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण : डॉ॰ व्यंकट शर्मा

4. प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन : डॉ॰ शिवाकांत गोस्वामी